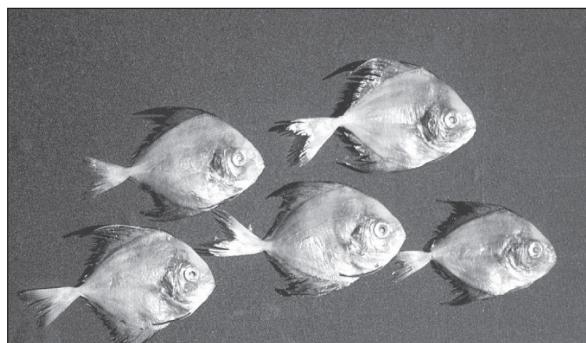


## ट्रॉंबई, मुंबई की डोल जाल पकड़ों में पॉफ्रेट किशोरों की उपस्थिति

**महाराष्ट्र** और गुजरात के परंपरागत संभारों में प्रमुख है डोल जाल। इसका प्रचालन तब किया जाता है जब जलधारा जाल को क्षैतिज, प्रफुल्लित और खुली स्थिति में रखने में सशक्त बन जाता है। समुद्र तल में स्थापित खम्भों में लंगार करके इस जाल का प्रचालन किया जाता है। डोल जाल का प्रचालन मुख्यतः 10 से 30 मी तक के गहराई क्षेत्र में सीमित है।

ट्रॉंबई अवतरण केन्द्र एक अनन्य डोल जाल मत्स्यन केंद्र है जहाँ रोज लगभग 40 एकड़ों का प्रचालन होता है। इनका प्रचालन ताने संकरी खाड़ी और मैंग्रोव क्षेत्र के निकट की संकरी खाड़ी मुँह में किया जाता है। पकड में प्रमुखतः पेनिआइड और नॉन-पेनिआइड झींगे, मल्लेट्स, श्वेत सार्डीन, सिएनिड्स, शिंगटियाँ, कर्कट, बम्बिल और झींगे, मछलियाँ और कर्कटों के



पारास्ट्रोमाटियस नाइगर के किशोर

### पत्रव्यवहार

सी.जे. जोस्कुट्टी और सुजीत सुन्दरम  
सी.एम.एफ आर आइ मुंबई अनुसंधान केंद्र, मुंबई,  
महाराष्ट्र

किशोर पाये जाते हैं।

पारास्ट्रोमाटियस नाइगर के किशोरों का अवतरण दिसंबर '03 से फरवरी 2004 के दौरान हुआ था। इसका आकार कुल लंबाई में 50-80 मि मी रेंच में था। वर्ष 2004 जनवरी के दूसराधे से फरवरी 04 तक पाम्पस चिनेनसिस का भी अवतरण हुआ था। इसका आकार कुल लंबाई में 45-75 मि मी के रेंच में था।

पॉफ्रेटों को साधारणतया मुंबई के शेल्फ जलक्षेत्र में ही दिखाये जाते हैं। मैंग्रोव क्षेत्र के निकट संकरी खाड़ी मुँह तक के उथले जलक्षेत्रों में किशोरों की उपस्थिति जलधारा में आ गये परिवर्तनों या खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता के कारण तट की ओर प्रयाण सूचित करता है। किशोरों के आंत्र के विश्लेषण करने पर बड़ी मात्रा में अपरद और कुछ प्राणिजात वर्गों की उपस्थिति दिखायी पड़ी।

स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में पॉफ्रेट के लिए उच्च मूल्य मिलता है। किशोरों की निरन्तर पकड संपदा की प्राप्ति पर कमी डाली जा सकती है। इसलिए यह निरीक्षण माँग करती है कि वाणिज्यिक दृष्टि में महत्वपूर्ण मछलियों के किशोरों के संग्रहण पर कड़ा विनियमन उपाय लागू किया जाए।

### मुख्य शब्द/Keywords

मैंग्रोव - कच्छ वनस्पति

